

संपादकीय

बढ़ते हादसे और गिरता भरोसा...

झारखंड में चतरा जिले के कर्माटांड जंगल में सोमवार शाम एक चार्टर्ड एअर एम्बुलेंस के हादसे का शिकार होने और उसमें सभी सात लोगों को मौत ने एक बार फिर इस सवाल को गहरा किया है कि क्या दिनांशित विमान सेक्टर अक्षरशः सुरक्षित हो जा रही है। गौतमपुर के एक एमबीए और उनके परिजन को दिल्ली ले जा रही एअर एम्बुलेंस में मौत खराब होने की वजह से यहां बंदवर्तने की कोशिश कर रही थी। मगर थोड़ी देर बाद यह विमान रक्षर से गायब हो गया और कुछ समय बाद उसका मलबा घने जंगल में मिला।

यह हादसा पिछले कुछ समय से लगातार आ रहा है। वैसी घटनाओं को एक कड़ू है, जिनसे विमान यात्र के पूरी तरह सुरक्षित होने की धारणा कमजोर होती है। झारखंड में हूह हादसे के आगे ही दिन-मलबाखर को दिल्ली से ले जा रही



वापस उतारने की घटनाओं में बढ़ती रहे रही है है कि समय-समय पर तकनीकी रक्षर पर हर पड़ने से उच्च सतरीय जांच होती है और हर कसौटी पर

खाय उतरने के बाद ही उसे उड़ान के लिए तैयार माना जाता है।

हर उड़ान के पहले सुरक्षा जांच की एक सख्त प्रक्रिया पूरी की जाती है, तब तक ही रस्ते में कोई अड़नून न आए। मगर हाल के समय में कई विमानों की उड़ान के बाद रास्ते में तकनीकी खराबी का पता चलने पर वापस उतरने की प्रक्रिया शुरू होती है कि या तो तकनीकी रक्षर पर उसमें कोई खराबी थी या फिर सुरक्षा जांच में किसी रक्षर पर कमी की गई। इसी मद्देनै के शुरू में सरकार ने लोकरक्षा में बतया था कि भारतीय विमान सेवा के जिन विमानों की तकनीकी जांच हुई, उनमें से लगभग आधे में बार-बार खराबी आई है।

इस क्रम में पिछले वर्ष जिनसे से छह बड़ी एयरलाइंस के 754 विमानों का जवरलेपण किया

गया, जिनमें से 377 में बार-बार खामी आने की बात सामने आई। बसवले है कि इन विमानों में थोड़े खराबियां पाई गईं, ये कितनी सवेदनशील थी और उनसे पूरी होने वाले जोखिम का रक्षर क्या था। अगर किसी तकनीकी खामी को नजरअंदाज करके या उसे सुरक्षा से संबन्धित नहीं मान कर उड़ान की इजाजत दी जाती है, तो अक्सर ऐसी घटनाएं बरती सामने आ रही हैं कि किसी तकनीकी खराबी की वजह से विमान को बीच रास्ते से अपना स्थिति में बाधना उतरा गया? विमान यात्रा को सबसे सुरक्षित जरूर माना जाता है, लेकिन इसकी सुरक्षा से जुड़े हर पहलु बेहद सवेदनशील भी होते हैं। इसमें किसी भी रक्षर पर अतदेसी, कौताही या खराबी की आशंका के बावजूद उड़ान की इजाजत देने के गंभीर और त्रासद नतीजे सामने आ सकते हैं।

तया डिजिटल दुनिया और बढ़ता दबाव बच्चों को हिंसक बना रहा है?



आधुनिक दौर में जीवन की आधारभूत की बीच हर जगह प्रतिस्पर्धा, निनी स्पर्धा और व्यवसाय आनादी की जगह में डिजिटल दुनिया का महत्व कम होता जा रहा है। बच्चों और अभिभावकों के बीच समय एक समान्य तथा स्नेह और सम्मान की भावना से जुड़े धारा कमजोर पड़ने लगे हैं। कई बार तो बच्चों ऐसे से जाते हैं कि औरत और आने माना-पिता को ही दुपुन मान केतनी है और उनकी जान तक लने को तैयार हो जाते हैं। उतर पुर में लखनऊ के अतिथान इलाके में एक पुरसे ही दिन खल्ले देने वाली वारदात सामने आई है, जहां एक बेटे ने अपने पिता को गोली मारकर हत्या कर दी और उसके बचक को टुकड़ों में काटकर एक हिस्से को घूम में छिपा दिया। हलांकि पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, मगर सवाल है कि किसी सामान्य परिवार के बच्चों में इस तरह की आराधिका मानसिकता आ कहां से रही है? क्या वजह है कि जिन सामान्य को संबाद के जरिए आसानी से सुलझाया जा सकता है, वह इनमें जलित हो जाते हैं कि सवेदनशील सुन पड़ जाती हैं और अक्रमकता रिशों का भी खून कर देती हैं। इसमें दोगम नहीं कि आज बच्चों को परिवार पर परिवार के अलावा डिजिटल जगत का प्रभाव भी साफ देखा जा रहा है। सवेदनशील और इंटरनेट की सुलभ उपलब्धता से बच्चों की ऐसी सामग्री पर पारिवारिक दबाव देते हैं, जो उनके कोमल मन पर विपरीत प्रभाव डाल सकती हैं। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि हिंसा और अपराध से जुड़ी सामग्री बार-बार देखने-सुनने से बच्चों में हिंसक प्रवृत्ति का बढत स्वाभाविक है। लखनऊ में हूह वारदात में प्राथमिक जांच-पड़ताल के आधार पर पुलिस ने दबा किया है कि आरोपी का पिता उसे मेंडलक प्रवेश परीक्षा में उतारने होने का दबाव बना रहा था। इसको लेकर कई बार पिता-पुत्र की आपस में बहसबाजी भी हुई थी। यह बात सही है कि माता-पिता को बच्चों पर अनवरक्यक दबाव नहीं बनाना चाहिए, लेकिन वे अगर किसी बात पर जाते रहे हैं, तो उसके पीछे बच्चों की भलाई की इच्छा ही होती है। असमर्थता एक स्थिति हो सकती है, लेकिन देश और समाज को इस पर संतुष्टि से विचार करने की जरूरत है कि बच्चों के भीतर ऐसी प्रवृत्ति कहां से आ रही है कि वे संबाद करने के बजाय हिंसक हो रहे हैं।

बोर्ड एग्जाम एक पड़ाव है मंजिल नहीं ...

शिवम महाशज

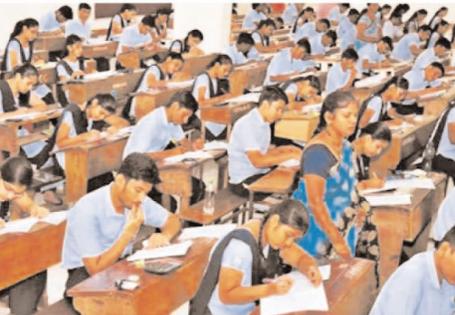
हर वर्ष फरवरी और मार्च का महीना आते ही देश के लाखों घरों में एक अलग-सी गंभीरता उतर आती है। पढ़ाई की मेज पर कितानों का डेर बड़ जाता है, दीवारों पर चिपके परीक्षा कार्यक्रम पर की दिनचर्या तय करने लगते हैं और बातचीत का केंद्र एक ही विषय रह जाता है- बोर्ड परीक्षा। रस्ते और बारहलों की ये परीक्षा हर साल आती है, लेकिन इनके साथ जुड़ा नवान और सामाजिक दबाव भी लगायत उनकी ही निर्गमिता से लैस है।

दरअसल, यह विषय विद्यार्थियों की परीक्षा नहीं होती, यह परिवारों, विद्यालयों और पूरे सामाजिक परिवेश की मानसिकता की भी परीक्षा होती है। हमारी शिक्षा संस्कृति में बोर्ड परीक्षाओं को एक निर्णायक मोड़ की तरह देखने की परंपरा रही है। परिणाम आते ही फीसद के आधार पर बच्चों की क्षमता और पहचान तय कर दी जाती है। कुछ अंक ऊपर-नीचे होते ही किसी को मेधावी, किसी को औसत और किसी को कमजोर मान लिया जाता है।

यह प्रवृत्ति धीरे-धीरे बच्चों के मन में यह धारणा बना देती है कि उनका पूरा भविष्य कुछ अंकों पर टिका हुआ है। यहीं से परीक्षा संघर्ष की स्वाभाविक प्रक्रिया में रक्षर सामाजिक प्रतियोगिता का जन्म बन जाता है। किशोरवस्था का समय अपने आगे में जखेनशील हो जाता है। यह एक है, जब बच्चे अपनी बनावतों को पहचान रहे होते हैं और आत्मविश्वास विकसित कर रहे होते हैं। ऐसे समय में बोर्ड परीक्षा उनके सामने पहली बड़ी सामाजिक चुनौती बनकर आती है।

परिणाम केवल परिवार तक सीमित नहीं रहना, बल्कि रिश्तेदारों, पड़ोसियों और समाज की चर्चा का विषय बन जाता है। स्वाभाविक है कि ऐसी स्थिति में बच्चों के मन में चिंता और खान बढ़ता है, और कई बार यह दबाव पढ़ाई से अधिक उनके आत्मविश्वास को प्रभावित करता है। यहाँ एक बुनियादी सवाल यह है कि क्या कुछ बच्चों की परीक्षा में मिले अंक किसी विद्यार्थी की पूरी योग्यता तय कर सकते हैं? शिक्षा का उद्देश्य केवल अंक डिक्रिया करना है, लेकिन जब पूरी चर्चा अंकों तक सिमट जाती है, तो सीधे ही प्रक्रिया पीछे हट जाती है और प्रतिस्पर्धा अंगे आ जाती है।

नई शिक्षा नीति बहुउद्योगी मूल्यांकन, कोशल आचारिण शक्ति और सतत आनंदन की बात करती है, लेकिन सामाजिक व्यवहार अब भी अन्वको ही ही अंतिम सत्य मानने का आदी है। यह विरोधाभास ही परीक्षा के अभावप अनवरक्यक दबाव पैदा करता है। परीक्षा के समय बच्चों पर इस दबाव का असर साफ दिखाने देता है। उनकी नैतिक कम हो जाती है, दिनचर्या अमूलुगित हो जाती है और आत्मविश्वास की जगह निराशा ले लेती है। कई बार मेहनती छत्र भी परीक्षा तब में अपना ही डर से रक्षर जाते हैं। इस डर से किसी बच्चे का आत्मवला कर लेना बेहद त्रासद है। यह स्थिति बनती है कि समय-समय परहों की कमी नहीं, बल्कि दबाव को अधिकता है।



और समझ के साथ की गई पढ़ाई- ये सभी बातें उनकी क्षमता को बेहतर बनाती हैं। बिना रुके घंटों पढ़ना हमेशा बेहतर परिणाम नहीं देता, बल्कि संतुलित और समझ पर आधारित तैयारी ही आत्मविश्वास पैदा करती है।

दरअसल, बोर्ड परीक्षा को एक ऐसे पड़ाव की तरह देखना चाहिए, जो बच्चों को अनुशासन, समय प्रबंधन और लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना सिखाता है। यह जीवन की लंबी यात्रा का एक चरण है, मजिल नहीं।

जब समाज इस सरल सत्य को स्वीकार करेगा, तब परीक्षा के आसपास का दबाव कम लेने लगेगा। इस पूरी प्रक्रिया में तीनों पक्ष- बच्चे, अभिभावक और शिक्षण संस्थान- एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। बच्चों को मेहनत और समझ के साथ तैयारी करनी है, अभिभावकों को मरोसे का तात्पर्य बनाना है और स्कूलों को मार्गदर्शक की भूमिका निभानी है।

परिणाम केवल परिवार तक सीमित नहीं रहना, बल्कि रिश्तेदारों, पड़ोसियों और समाज की चर्चा का विषय बन जाता है। स्वाभाविक है कि ऐसी स्थिति में बच्चों के मन में चिंता और खान बढ़ता है, और कई बार यह दबाव पढ़ाई से अधिक उनके आत्मविश्वास को प्रभावित करता है। यहाँ एक बुनियादी सवाल यह है कि क्या कुछ बच्चों की परीक्षा में मिले अंक किसी विद्यार्थी की पूरी योग्यता तय कर सकते हैं? शिक्षा का उद्देश्य केवल अंक डिक्रिया करना है, लेकिन जब पूरी चर्चा अंकों तक सिमट जाती है, तो सीधे ही प्रक्रिया पीछे हट जाती है और प्रतिस्पर्धा अंगे आ जाती है।

बिनीमी में वड़ नकली शंकराचार्य: दिव्यजय सिंह

आज का कार्टून

आपकी पार्टी में तो नकली जनेउधारी है!

भागवत जी के भाषण को सही नजरिए से देखा जाना चाहिए

कुछ तथाकथित बुद्धिजीवियों ने भागवत जी के इस सुझाव की आलोचना की है कि इन्हें उड़ानों को कम से कम 3 बच्चे पैदा करने चाहिए, जिन्हें अच्छी पारिवारिक दी जा सके। इसे भी सही नजरिए से देखना चाहिए। कम बर्त रेट की वजह से, देखिका कि जर्मनी, इटली, ब्रिटेन, ऑस्ट्रिया, फ्रांस और बैलियम जैसे यूरोपीयन देशों में क्या हो रहा है, जहाँ की आबादी में युवाओं का प्रतिशत बहुत कम है। उन्हें दिवकते आने लगी है, कम युवा आबादी की वजह से आवासविषय से इन देशों में कानून-व्यवस्था की बड़ी दिवकते पैदा हो रही हैं। जापान जैसे देशों में भी कम जन्म रेट की वजह से बूढ़ी होती आबादी की दिवकते देखी गई हैं।



सर्वसचचारक (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख) श्री मोहन भागवत जी के भाषण को सही नजरिए से देखा जाना चाहिए-जिसमें उन्होंने कहा कि जिन लोगों को अपना असली धर्म छोड़कर इस्लाम अपनाने के लिए मजबूर किया गया था, उनका वापस स्वागत है-इस बात को सही नजरिए से देखना चाहिए। जैसा कि इतिहास बहुत साफ है, भारत में सैकड़ों सालों तक, मुस्लिम शासकों ने हिंदुओं को अपना धर्म छोड़ने के लिए मजबूर किया। इस्लाम या ईसाई धर्म अपनाने के लिए, यूरोपीय शासकों ने उन पर मुकदमा चलाया और कई मामलों में, धर्म के आधार पर अमानवतापूर्ण अत्याचार और बेरहमी से हत्याएं हुईं।

भारत में इस्लाम और ईसाई धर्म को जबरदस्ती और कई दूसरी चीजों से गंभीर और स्वतंत्र देश में, अपनी परसद से धर्म बदलाना फौजदारी नहीं है। हिंदू धर्म (सनातन) बिल्कुल भारतीय उपमहाद्वीप में ही नहीं था, सिर्फ छोटे-छोटे, इंडोनेशिया और दूसरे दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों तक फैला हुआ था। इंडोनेशिया में उच्छहर धर्म का काफी ज्यादा उभार भी रहा है, जहाँ मुसलमानों की सबसे ज्यादा आबादी है।

हिंदू-बहुल द्वीप बाली के अलावा, जावा और सुमात्रा जैसे द्वीपों पर हिंदू आबादी बड़ रही है और नए हिंदू मंदिर बन रहे हैं। कुछ भी

जबदस्ती या किसी और गलत तरीके से नहीं हो रहे, यह सनातन धर्म की आध्यात्मिक आवाज है। इंसान की जिंजीगी में शांति, खुशहाली और सुकून लाना ही सनातन धर्म का यूरोपीयन देशों जैसे पोलैंड, एस्टोनिया वगैरह में कर रहा है। हिंदू (सनातन धर्म) ने कभी किसी को धर्म बदलने के लिए मजबूर नहीं किया। यह महान आध्यात्मिकता और निर्वासन की भावना है, जिसके साथ अर्ध आधुनिक बना, रक्षक लिए आया और अपने आस-पड़ के सभी लोगों के साथ शांति से रहना। सनातन के इन बुनियादी सिद्धांतों ने इसे हजारों सालों तक सभी मुस्लिमों और हमलों के बावजूद जिंदा रहने में मदद की है।

दुनिया में कई ऐसे देश हैं जो धर्म के हिसाब से पूरी तरह बदल गए हैं और स्पेन इसका एक उदाहरण है। स्पेन 700 सालों तक मुस्लिम शासन के अधीन था और 8वीं सदी की शुरुआत (711 ए.डी.) से 15वीं सदी के आखिर (1478 ए.डी.) तक वहाँ मुस्लिम आबादी थी। इस दौरान, लगभग 800 सालों तक, ईसाईयों और मुसलमानों के बीच लड़कड़ियाँ लड़ी गईं, जिन्हें रिकॉन्क्विस्टा के नाम से जाना जाता है, जिसके नतीजे में स्पेन फिर से एक ईसाई देश बन गया।

उत्तिहास साफ दिखाता है कि जहाँ भी इस्लामी राजा कमजोर हुआ, पूरे देश मुस्लिम बन गए। इसी तरह, जहाँ यूरोपीयन राजा कम बने, वे ईसाई बन गए। हालांकि, भारत और सनातन धर्म अपनी पहचान बनाए रखने में कामयाब रहे, भले ही दबाव में कई मामलों पर धमिलार हुए, जिनको बदला जा सकता है और लोगों को घर वापसी करनी चाहिए। यह बात कि सनातन धर्म सातों तक उस सभी हमलों से बचा रहा, सनातन को सबसे बड़ी ताकत है। इसके उलट, भारत का सनातन धर्म बिना किसी हिंसा के बचा रहा होगा। जैसा कि देखा है, हर पापवी पर उन्नीने जो कहां, उन्नीने किसी के लिए या किसी धर्म के लिए कोई बुरी भावना नहीं है।

कूठ तथाकथित बुद्धिजीवियों ने भागवत जी के इस सुझाव की आलोचना की है कि इन्हें उड़ानों को कम से कम 3 बच्चे पैदा करने चाहिए, जिन्हें अच्छी पारिवारिक दी जा सके। इसे भी सही नजरिए से देखा जाना चाहिए। कम बर्त रेट की वजह से, देखिका कि जर्मनी, इटली, ब्रिटेन, ऑस्ट्रिया, फ्रांस और बैलियम जैसे यूरोपीयन देशों में क्या हो रहा है, जहाँ की आबादी में युवाओं का प्रतिशत बहुत कम है। उन्हें दिवकते आने लगी हैं, कम युवा आबादी की वजह से आवासविषय से इन देशों में कानून-व्यवस्था की बड़ी दिवकते पैदा हो रही हैं। जापान जैसे देशों में भी कम जन्म रेट की वजह से बूढ़ी होती आबादी की दिवकते देखी गई हैं।

भारत में, जवाहर हिंदुओं को आबादी में कम जमा कर उद्योगिक इमेलेस पैदा कर सकता है। ऐसा होने से रोकने के लिए, उस रक्षर पर उच्च सुझावों को किसी साम समझ के लोको दिखाना चाहिए समझदार लोगों की शीय में, अगर हम भागवत जी के सुझावों को सही नजरिए से देखें, बिना किसी डर या शक के उनके मजबूत पर ध्यान दें, तो भारत स्वागत-एक उच्छर और उच्छर होगा। जैसा कि देखा है, हर पापवी पर उन्नीने जो कहां, उन्नीने किसी के लिए या किसी धर्म के लिए कोई बुरी भावना नहीं है।

शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करना मतगणना कार्य लक्ष्य, धैर्य पूर्वक करेंगे सभी काम

मतगणना कर्मियों का प्रशिक्षण सम्पन्न



बोकारो (सबसे) : नगरपालिका आम निर्वाचन जिला अंतर्गत चास नगर निगम एवं पुस्तरो नगर परिषद क्षेत्र के लिए मतगणना २० फरवरी को होनी है। इसको लेकर सभी कार्य तैयारियां पूरी कर ली गई है। मतगणना केंद्र कृषि उत्पादन बाजार समिति आइटीआर मोड़ चास में अंतिम तैयारियों का जायज जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) अश्वयाम नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक (एसपी) श्री हरविंदर सिंह ने लिया।

मतगणना केंद्र कृषि उत्पादन बाजार समिति आइटीआर मोड़ चास में गुरुवार को मतगणना केंद्र में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों - पुलिस पदाधिकारियों को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) व पुलिस अधीक्षक (एसपी) द्वारा संयुक्त ब्रीफ किया गया।

डीईओ सह डीसी ने कहा सभी कर्मियों/पदाधिकारी जिन्हें जो दायित्व दिया गया है, उसका ही पूर्वक निर्वहन करेंगे। उन्होंने किसी भी तरह की कोई चूक -

मतगणना केंद्र में मोबाइल फोन/मावीस/लाइटर/बॉटल वाइल/संबाकु/सिगरेट/इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट/चूड़िया गन आदि लेकर प्रवेश बर्जित रहेगा। इसे दंडाधिकारी एवं पुलिस सहन सुनिश्चित करेंगे।

मतगणना केंद्र में जिला निर्वाचन अधिकारी (नगरपालिका), टिस्टिंग अधिकारी, सहायक टिस्टिंग अधिकारी और राज्य निर्वाचन अधिकारी के चुनाव प्रेक्षक ही मोबाइल का इस्तेमाल कर सकते हैं। साथ ही, केवल मीडिया सेंटर तक जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा प्राधिकार प्राप्त धारी प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रतिनिधि ही अपना मोबाइल ले जा सकते हैं।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) ने कहा कि मतगणना केंद्र में काउंटिंग एजेंट, मतगणना कर्मियों/मीडिया प्रतिनिधि, परिषद के लिए अलग-अलग मतगणना हॉल है। जिसमें २८ व १८ बैच लगाया जाएगा है। मतगणना कार्य पूर्वाह्न ०८ बजे से शुरू होगा। मतगणना केंद्र पर

मतगणना कक्ष में तीनचार के समूह में प्रवेश करेंगे मीडिया कर्मियों : नोडल पदाधिकारी

बोकारो (सबसे) : सूचना भवन में आयोजित मीडिया संवाद के दौरान नोडल पदाधिकारी, मीडिया कोषागार रवि कुमार ने मीडिया कर्मियों को संबोधित करते हुए मतगणना से जुड़ी आवश्यक दिशानिर्देश साझा किए। उन्होंने बताया कि समाचार संकलन के लिए मीडिया कर्मियों को मतगणना कक्ष में तीन चार के समूह में प्रवेश करना होगा। इस दौरान मतगणना कक्ष के अंदर फोटो लेते समय कैमरे का जूस का उपयोग करने पर रोक रहेगी। उन्होंने सभी पत्रकारों से प्रशासन को सहयोग करने की अपील की, ताकि मतगणना प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न हो सके। नोडल पदाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक राउंड के अनुसार प्राप्त होने वाले सभी पोलिंग अंकड़े मीडिया को उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे समाचार संकलन में कोई परेशानी नहीं हो। साथ ही उन्होंने कहा कि मीडिया पास के कार्ड पर अपना फोटो अनिवार्य रूप से चस्पा करें और हस्ताक्षर भी अवश्य करें। बैठक के दौरान पत्रकार बसुओं में कई बिड़ियों पर जानकारी प्रा की, जिस पर उन्होंने पदाधिकारी ने अपनी राय दी। कहा कि, मतगणना केंद्र के मीडिया सेंटर तक मीडिया कर्मियों को मोबाइल ले जाने की अनुमति होगी।

मतगणना कर्मियों के बाहन पार्किंग स्थल से मतगणना केंद्र के चिह्नित प्रवेश द्वार तक के लिए टोटो (आउट) की व्यवस्था रहेगी। ताकि उन्हें ज्यादा पैदल भी चलना पड़े। वहीं, काउंटिंग के लिए बाहन पार्किंग की व्यवस्था आइटीआर मोड़ चास - रामकृष्ण स्कूल परिसर निर्धारित है, जहां से भी केंद्र में उनके चिह्नित प्रवेश स्थान तक आने के लिए प्रशासन द्वारा टोटो की व्यवस्था की गई है।

मौके पर उप विकास आयुक्त श्रीमती शताब्दी मजूमदार ने भी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों - पुलिस पदाधिकारियों को उनके कार्य दायित्व - जिम्मेदारियों को क्रमवार विस्तार से बताया। आगे, काउंटिंग सुपरवाइजर, काउंटिंग अडिस्ट्रेट व कंप्यूटर ऑपरेटर को भी ब्रीफ कर, उन्हें अलग -



बोकारो (सबसे) : प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान डीडीसी शताब्दी मजूमदार, प्रान्त डंडा, प्रभाष दत्ता, प्रेमचंद सिन्हा तथा जगन्नाथ लोहार उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में मतगणना से जुड़े सभी नियुक्त पदाधिकारी एवं कर्मियों ने सक्रिय भागीदारी की। प्रशिक्षण के दौरान मतपत्रों की जांच, वैध एवं अवैध मतों की पहचान, राउंडबार गणना, प्रश्नों का संधारण, परिणाम पत्रक तैयार करने की प्रक्रिया तथा बूटेट बॉक्स से संबंधित आवश्यक सावधानियों का विस्तृत जानकारी दी गई।

आउटरीच सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो (सबसे) : आयकर अधिकारी (छूट), हजारीबाग इकाई के द्वारा सेक्टर ५ स्थित आशा लता दिव्यांग विकास केंद्र, बोकारो स्टील सिटी के समागार में छूट, सामाजिक संस्थानों एवं अन्य छूट प्राप्त संस्थानों के साक्षात्कार चार्टर एकाउंटेड एवं अधिवक्तियों के बीच जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक आउटरीच सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम आयकर आयुक्त (छूट), पटना शिव स्वस्थ संह के निदेशन में तथा अपर आयकर आयुक्त (छूट), रणेश, रंजी राठी निहा उर्वर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में वडी संस्था में छूट, सामाजिक संस्थानों एवं अन्य छूट प्राप्त संस्थानों के साक्षात्कार चार्टर एकाउंटेड एवं अधिवक्तियों को भी भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य आयकर अधिनियम के अंतर्गत उपलब्ध छूट प्राधानों, अनुसूचना आवश्यकताओं एवं प्रस्तावित नए आयकर अधिनियम के प्रमुख बिंदुओं का जागरूकता बढ़ाना था। इसके तहत धारा ११, १२ एवं १३ के अंतर्गत छूट प्राधान एवं ०.५% एवं १% के अयोग्य का निमेष एवं दाखिल करने की अनिवार्यता, धारा १३ के अंतर्गत उद्योगों के परिणाम, छूट/एनजीओ द्वारा की जाने वाली साक्ष्य भुटियां तथा प्रस्तावित नए आयकर अधिनियम की प्रमुख विशेषताएं पर विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में आयकर आयुक्त (छूट), पटना शिव स्वस्थ संह के अध्यक्ष के.एस.के. सिन्हा ने कहा कि आयकर विभाग का उद्देश्य केवल कर संकट दूर करने नहीं बल्कि करदाताओं को सही मार्गदर्शन एवं सहायता प्रदान करना भी है। उन्होंने छूट एवं एनजीओ से अंतिम की कि वे पारदर्शिता बनाए रखें, समय पर रिटर्न दाखिल करें, उचित लेखांकन एवं दस्तावेजीकरण करें, ताकि उन्हें आयकर छूट का लाभ निर्वाह रूप से मिलता रहे।

ग्रामीण फुटबॉल प्रतियोगिता का हुआ समापन



बोकारो (सबसे) : इस्पात संपन्न के निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) विभाग के तलावधान में आयोजित ग्रामीण फुटबॉल प्रतियोगिता २०२६ का फाइनल मुकामला २६ फरवरी २०२६ को मोहन कुमार मंगलम स्टेडियम में खेला गया, जिसमें भरत दत्त ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। रोमांचक फाइनल मैच में भरत दत्त ने आदिवासी स्क्वॉ, पारटॉड को ०-२ के अंतर से पराजित कर विजयता बनने का गौरव प्राप्त किया।

समापन समारोह में बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रमोद प्रिय रंजन मुख् उपस्थित थे। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को अनुशसन, टीम भावना और निरंतर अभ्यास के माध्यम से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) चितवन मिश्र, अधिशासी निदेशक (परिचालन) अनीश सेन गुप्ता, अधिशासी निदेशक (विकास एवं स्वास्थ

मतगणना केंद्र पर दंडाधिकारी व पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति

बोकारो (सबसे) : नगरपालिका आम निर्वाचन २०२६ के अंतर्गत मतगणना कार्य को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रामनिधान यादव ने बताया कि मतगणना की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने हेतु सभी आवश्यक तैयारियों पूर्ण कर दी गई हैं। मतपत्रिकाओं को सुरक्षित रूप से ब्रजगुह (स्टूडिंग रूम) में सीटीटीवी निगरानी एवं डिस्टिच्यु सुरक्षा व्यवस्था के बीच रखा गया है। ब्रजगुह के बाहर २४ घंटे सख्त जवाब की तैयारी की गई है तथा अस्थायियों या उनके अधिष्ठित प्रतिनिधियों को नियमसार निगरानी की अनुमति दी गई है।

मतगणना प्रारंभ होने से पूर्व निर्धारित समय पर ब्रजगुह को अस्थायियों की उपस्थिति में खोला जाएगा। मतगणना हॉल की व्यवस्था के संबंध में बताया गया कि प्रत्येक नगर निगम के लिए अलगअलग हॉल निर्धारित किए गए हैं। मतगणना केंद्र के भीतर प्रवेश के लिए प्रणाली लागू की गई है, जिससे केवल अधिष्ठित व्यक्तियों को ही प्रवेश मिल सके। प्रत्येक टेबल पर एक मतगणना पंथिवेक्षक, एक मतगणना सहायक एवं एक माइक्रो ऑब्जर्वर की प्रतिनियुक्ति की गई है, ताकि मतों की गणना में पूर्ण पारदर्शिता बनी रहे। टेबलों की संख्या संबंधित वार्डों की संख्या के अनुसार निर्धारित की गई है। अधिक सहायकों वाले वार्डों के लिए अतिरिक्त

टेबल की व्यवस्था की गई है, जिससे मतगणना कार्य समयबद्ध रूप से पूरा किया जा सके।

मिस्ट्रीहै नगर निगम के मतगणना केंद्र संख्या ०२ में वार्ड संख्या १ से १८ तक की मतगणना की जानी है, जिसके लिए टेबल की संख्या १६ तथा चक्र की संख्या ०५

मिस्ट्रीहै के वार्ड संख्या ०२ में वार्ड संख्या १ से ३६ तक की मतगणना की जानी है, जिसके लिए टेबल की संख्या १६ तथा चक्र की संख्या ०४ होगी। इसके अतिरिक्त सूर्यना नगर पंचायत के मतगणना हॉल संख्या ०२ में वार्ड संख्या ०१ से १२ तक की मतगणना की जानी है, जिसके लिए टेबल की संख्या ०८ तथा चक्र की संख्या ०२ होगी। अधिक धनवार नगर पंचायत के मतगणना हॉल संख्या ०३ में वार्ड संख्या ०१

सेवा) डॉ. जी. बी. कल्याणम तथा मुख्य महासंबन्धक प्रमोदी सह कार्यकारी अधिशासी निदेशक (विद्य एवं लेखा) एस. के. भाद्राज सहित बीएसएल के सीएसआर एवं खेल विभाग के अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में खेल प्रतियोगिता में उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि यह प्रतियोगिता १३ से २६ फरवरी २०२६ तक बोकारो के कुमभार मंगलम स्टेडियम तथा ट्रेनीज हॉस्टल फुटबॉल ग्राउंड, स्टेडियम में आयोजित की गई। इस वर्ष प्रतियोगिता में कुल ५२ टीमों ने भाग लिया, जिनमें ४८ टीमें परीयोग गांवा से, ०२ टीमें झारखंड ग्रुप ऑफ माइंस से तथा ०२ महिला टीमें शामिल थीं। महिला टीमों की पहली बार भारगीदारी विशेष आकर्षण का केंद्र रही और उन्होंने अपने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन से दर्शकों का भरपूर उन्साह प्रेरित किया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) चितवन मिश्र, प्रदान कर उन्हें बचाई दी तथा खिलाड़ियों के उजल भविष्य की कामना की।

मनोरंजक ब्रेनमेम कार्यक्रम का आयोजन



बोकारो (सबसे) : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस २०२६ समारोहों की शृंखला में बोकारो इस्पात संपन्न (बीएसएल) में गोमाला ३.० नामक एक मनोरंजक ब्रेनमेम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस उन्साहपूर्ण आयोजन में बीएसएल की २८ टीमों के ८० से अधिक महिला कर्मियों ने अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज की, जिसमें प्रत्येक टीम में तीन सदस्य शामिल थे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य खेलकूद और मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से टीम बंध, आपसी विश्वास और टीम के भीतर बेहतर तालमेल को बढ़ावा देना था। प्रतियोगिता के दौरान तीन चरणों में सांघी, सामाजिक कौशल और बुद्धिमत्ता पर आधारित रोचक खेल आयोजित किए गए, जिससे पूरा स्तरवर्ण उन्साह से भर गया। गोमाला ३.० का स्वरूप इस प्रकार तैयार किया गया था कि प्रतिभागियों ने केवल सामूहिक तत्वों को प्राप्त करने के लिए मिलकर कार्य करें, बल्कि एकदूसरे के व्यक्तित्व कौशल का समान करते हुए आपसी सहयोग और भरोसे की भावना को भी डुंड़ करें। प्रतिभागियों ने इस आकर्षक प्रारूप का भरपूर आनंद लिया, जिससे उनकी त्वरित निर्णय लेने की क्षमता और टीम भावना को प्रदर्शित किया। इस सफल कार्यक्रम की रूपरेखा सहायक महासंबन्धक (सीईडी) सुशी ज्योति, वरिय प्रबंधक

एनएमडीसी व आईआईटी हैदराबाद के बीच हुआ एमओयू



हैदराबाद (सबसे) : एनएमडीसी के अनुसंधान एवं विकास केंद्र ने भारत के खनिज और धातु क्षेत्र के भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद (आईआईटीएच) के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। खनिज प्रसंस्करण और संबद्ध क्षेत्रों में स्वदेशी प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से एनएमडीसी के अधिशासी निदेशक (आरएडडी) संदीपा साहू और आईआईटी हैदराबाद के डीन (प्रारोपित अनुसंधान और परामर्श) ने आईआईटी हैदराबाद के निदेशक डॉ. बी. एन. मूर्ती की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता फील्ड की विशेषता और अकादमिक उत्कृष्टता के बीच एक मजबूत सहयोग का प्रतिनिधित्व करती है। एनएमडीसी और आईआईटी

(सीआरएफ) सुशी निहारिका अनुपम और वरिय प्रबंधक (आईईडी) सुशी प्रीति प्रिया द्वारा तैयार किए गए एमओयू के अंतर्गत, यह आयोजन अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस २०२६ के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले आगामी कार्यक्रमों के लिए एक जीवंत और ऊर्जावान शुरुआत सिद्ध हुआ है। बीएसएल प्रबंधन ऐसे आयोजनों के माध्यम से अपने महिला कर्मियों के बीच कार्यजीवन संतुलन और सकारात्मक कार्यसंस्कृति को निरंतर बढ़ावा देने के प्रति संकल्पित है।

को मजबूत करता है। आईआईटी हैदराबाद की अनुसंधान उत्कृष्टता और एनएमडीसी की दोहन विशेषज्ञता का लाभ उठाकर, यह साझेदारी, खनिज प्रसंस्करण और उभरते क्षेत्रों में स्वदेशी प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाएगी, जो सतत विकास और आत्मनिर्भर भारत के विजन में योगदान देगी।

दोनों संस्थान साथ मिलकर आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय विजन में योगदान देंगे। विशेष रूप से, यह सहयोग एक ऐतिहासिक क्षण में आया है क्योंकि एनएमडीसी के अनुसंधान एवं विकास केंद्र ने भारत के खनिज विकास के इतिहास में पहिले योगदान के ५० वर्ष पूर्ण किए हैं, जो अनुसंधान में उत्कृष्टता की अपनी विरासत और तकनीकी उन्नति के अपने निरंतर प्रयासों को और अधिक मजबूती प्रदान करता है।

विस में विधायक राज सिन्हा ने उठाए जनहित से जुड़े गंभीर मुद्दे

धनबाद/गंभी (कांस) : झारखंड विधानसभा के सर्वोच्च सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने सदन में अल्पसंख्यक प्रश्न के माध्यम से मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के अंतर्गत विगत ७८ महीनों से लंबित ७८,७२,४४६ महिलाओं के आवेदनों का मीटर मुद्रा जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने विशेष रूप से धनबाद, रांची एवं पराम्परा जिलों में सर्वाधिक आवेदन लंबित रहने पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया।



जबकि निर्धारित लक्ष्य के अनुसार करीब ६० लाख महिलाओं को इस योजना से आश्वासित किया जाना था। उन्होंने आरोप लगाया कि राजकीय कोष की अभावस्थिति एवं विभागीय शिथिलता के

कारण लाखों पात्र महिलाएं योजना से लाभ से वंचित हैं। उन्होंने विस्तीर्ण वर्ष २०२५-२६ में फर्जी तरीके से योजना का लाभ उठाने तथा उनसे अब तक राशि की बसुली एवं विधि सम्मत कार्रवाई नहीं होने के कारण राज्य को करोड़ों रुपये के राजस्व नुकसान का मामला भी सदन में प्रमुखता से उठाया। श्री सिन्हा ने वंचित आवेदनों पर शीघ्र कार्रवाई, फर्जी लाभकों की संख्या, रिकवरी की गति राशि का विवरण एवं संपूर्ण प्रक्रिया की समयसिमा निर्धारित करने की मांग की। इसके साथ ही विधायक श्री सिन्हा ने जेबीभीएनएल द्वारा

प्रोपेड विद्युत उपभोक्ताओं को अजानक पुराने बकाया बिल भेजे जाने से उत्पन्न हो रही गंभीर आर्थिक कठिनाइयों का मुद्दा भी सदन में उठाया। उन्होंने कहा कि पोस्टपेड से प्रोपेड मीटर में परिवर्तन के दौरान बकाया भुगतान के बावजूद उपभोक्ताओं को अतिरिक्त बकाया बिल के संदेश भेजे जा रहे हैं, जिससे लाखों उपभोक्ताओं पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

विधायक श्री सिन्हा ने इस समस्या का तत्काल समाधान, उपभोक्ताओं को राहत एवं समयसिमा के भीतर निष्पादन की मांग करते हुए सरकार से स्पष्ट जवाब देने को कहा।

महादेव प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ पूर्णाहूति के साथ संपन्न



मौखिकपुर (ससे) : तुम्हारी आरती करते हैं, भोले शंकर तुम हो शंकर, तुम्हारी आरती करते हैं, भोले शंकर तुम हो शंकर, जटा में गंगा, कंठ में जहर, भोले शंकर भोले शंकर आदि के उद्घोष से मौखिकपुर बीच बाजार स्थित दुदानी कालोनी महादेव मंदिर पूजा उठा। प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के तीसरे दिन पूजा पाठ हवन आरती के बाद भंडारा लगा और हारि क्रीड़ा का हस्तारंभ भी हुआ। इसमें बड़ी संख्या में ब्रह्मलु महिलाएं बड़े शामिल थे। जन सहयोग से निर्मित

मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में पूरा कालोनी उमड़ा पड़ा। अनुष्ठान में सारदर बुद्ध महारा, भाग्या जिलाध्यक्ष मोहन कुंभकर, जारखण्ड शासक, धरमपाम प्रोक्टर, भोले शंकर, आशीष मुखर्जी राहुल चंद्र विहारी, तापक महतो, संजय अग्रवाल, इशिका मंगल, हृदय तिहारि, सिनेद साहू, बिके सिंह, प्रदीप साहू, नारायण सेन, गौर दास, धरमजय सिंह, शिवारि भगत, नवीन सिंह, संतोष साहू, सत्यनारायण साहू, कुट्टर रुज, शिवारि भगत संजय भगत आदि थे।

बाल विवाह उन्मूलन को लेकर सामुदायिक चौपाल आयोजित

कतरास (ससे) : जिला समाज कल्याण विभाग धनबाद की ओर से मुखवार को कतरास के गुहरीबांस बस स्टैंड में 'बाल

कतरास (ससे) : जिला समाज कल्याण विभाग धनबाद की ओर से मुखवार को कतरास के गुहरीबांस बस स्टैंड में 'बाल



विवाह मुक्त भारत अभियान' के तहत सामुदायिक चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बाल विवाह जैसी सामाजिक कुुरीति के खिलाफ जागरूकता फैलाना और इसके उन्मूलन के लिए सामूहिक भागीदारी सुनिश्चित

करना था। इस अवसर पर महिला पर्यवेक्षिका हेमलता जक ने कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक बुराई होने के साथ-साथ नैतिकताहीन भी है। यह बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और समग्र विकास के बाधा उत्पन्न करता है तथा उनके सपनों को साक्षात्कार से रोकता है। उन्होंने कहा कि इस कुुरथा को जड़ से समाप्त करने

के लिए समाज के सभी वर्गों की सहभागिता आवश्यक है। कार्यक्रम के तहत जागरूकता रैली निकाली गई तथा उपस्थित लोगों ने बाल विवाह के खिलाफ सामूहिक रूप से शपथ ली। चौपाल में महिलाओं को बाल विवाह के दुष्परिणामों और इसके संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी भी दी गई।

कार्यक्रम में महिला पर्यवेक्षिका हेमलता रजक, सेविका रीता देवी, अमिता देवी, संतोषी देवी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं। इनमें ललित देवी, परमेश्वरी देवी, रिंकु देवी, उर्मिला देवी, रूबी देवी, कुन्ती देवी, शारदा देवी, विरगा कुमारी, जानकी कुमारी, सीमा कुमारी, कालती देवी, सोनिया देवी और रेणु देवी समेत अन्य शामिल रहीं।

साधकों ने 108 पापों के नाश के लिए किया विशेष अनुष्ठान



मठकुरिया टिंकार जैन मंदिर में चल रहे श्री सिद्ध ब्रह्ममंडल विधान के तीसरे दिन प्रातःकालीन अभिषेक एवं पूजन अतिथि से किया गया। इस अनुष्ठान में साधक विभिन्न शक्तियों व देवताओं की पूजा कर १०८ प्रकार के पापों के नाश के लिए विशेष अनुष्ठान करते हैं। पूजनकर्ता श्री धर्म शंकर सत्येंद्र कुमार जैन और मनोज कुमार जैन ने प्रातः से पूजन शुरू किया। इस दौरान १२८ मंत्रों का उच्चारण किया गया। हर मंत्र के साथ जल, चंदन, अक्षत, पुष्प, नैवेद्य, दीपक, धूप, फल आदि का मिश्रित अर्पण किया गया। १०८ प्रकार के पाप नाश के लिए मंत्र पाप, कल विधि, धूप व श्रीरत्न समर्पण किया गया।

नौक्रे पर विधानशोभा जैन, चंद्रेश जैन (दो प्रथमश्रीमती), पुष्पा जैन, कटा से विद्वान शोभा जैन, मिली जैन, बनिता जैन, हरि प्रसाद जैन, अरविंद रमेशी जैन, मनोज जैन, मनीष कुमारी जैन, संजय सोनू जैन, नीरज ज्योति जैन, अरुण ललित राहुल जैन, कस्तूर बनीता जैन, सौरा, कल्पना, सविता, ललित, मिनी, शोभा, कला, सत्येंद्र सीता जैन, प्रदीप कुशुल ब्रह्म मनोज ब्रह्म, आरिस्त प्रीति चंद्रेश मरक जैन, हरि भाइयों, पुष्पा देवी आदित्य के झन, उत्सव राजा, हेमलता जैन, सत्यभामा अक्षक सोहन जैन, मंदिरे प्रती संजय एच पी जैन उपस्थित थे।

अभियंता ने किया नाली निर्माण कार्य का निरीक्षण

मौखिकपुर (ससे) : पथ निर्माण विभाग के सहायक अभियंता पंकज कुमार एवं कनीय अभियंता अमित रंजन ने शुक्रवार को दुई रोड में नाली निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। मौखिकपुर के नागरिकों से वार्ता की।

उन्होंने संबंधित परचेज खान को कई निर्देश दिए। निर्णय लिया गया कि बेसिक स्कूल की पानी का प्रवेश नाली में करने के लिए स्कूल की चाहदीवासी से सटकर नाली का निर्माण कराया जाएगा। मुखिया प्रतिनिधि जयजित मुखर्जी एवं हीरालाल दत्ता ने आभारान दिया कि बेसिक स्कूल की जमीन से सटकर जो भी अतिक्रमण है, उसे नाली

निर्माण के लिए हटा दिया जाएगा। फिर नाली निर्माण के बाद गुमती और दुवान फिर से लगा दी जाएगी। नाली सड़क के बराबर मजबूती से बनाएगी। संबंधित द्वारा पानी दिया जाएगा एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य किया जाएगा। नाली की सफाई के बाद ही उसमें स्लैज लगाया जाएगा। तत्काल मंदिरे तक पर्याप्तसंख्य सड़क के किनारे निर्माण काम होगा इसके बाद अतिक्रमण हटाने के बाद ही काम किया जाएगा। वार्ता में करया जाएगा। मुखिया प्रतिनिधि जयजित मुखर्जी एवं हीरालाल दत्ता ने आभारान दिया कि बेसिक स्कूल की जमीन से सटकर जो भी अतिक्रमण है, उसे नाली

महिला व युवतियों को बांस से टोकरी बनाने का दिया गया प्रशिक्षण

मौखिकपुर (ससे) : मायत्ता प्रास आईएसएफ फेडरेशन के आग्रम में अमला पंचायत सचिवालय में दो

एवं युवतियों को बांस से खिलोना आदि बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। समाधान के मौके पर फेडरेशन के संजीव सोटक के अलावा प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली आशा देवी, ओनी, बेनी, निद्र देवी, पार्वती देवी, कल्याणी देवी, पिकी देवी, सुजाता कुमारी, सुजान कुमारी, निकिता कुमारी, किष्ण कुमारी, कलित कुमारी, पूजा कुमारी आदि थीं।

झारखंड आंदोलन के महापुरुषों को सम्मान देने की मांग

कतरास (ससे) : सामाजिक कार्यकर्ता अंजना देवी ने विगत २१ जनवरी को भारत कोर्किंग कोल लिमिटेड के मुख्य प्रबंध निदेशक को पत्र लिखकर

हॉल में उनके चित्र लगाकर सम्मानित किया गया है, उसी प्रकार झारखंड आंदोलन के महानायकों - बिनोद बिहारी महतो, शक्ति नाथ महतो, शिबू सोरेन तथा ए. के. राय - की भी आदरकद प्रतिमा मुखावलय परिसर में स्थापित की जाए तथा मुख्य हॉल में उनके छापचित्र लगाए जाएं। उन्होंने इस मांग के समर्थन में धनबाद के सांसद उद्ध महतो, निरिडीह के सांसद चन्द्र प्रकाश चौधरी, विधायक नन्दुरा प्रसाद महतो, शत्रुघ्न महतो, राज सिन्हा, अरुण महतो, रागिनी सिंह, चन्द्रदेव महतो तथा जिला परियेद अध्यक्ष शारदा को भी पत्र भेजित कर शीघ्र पहल करने का अनुरोध किया है।

धनबाद (कांस) : ओएसएफ रानपुर आजीविका महिला संकुल संगठन, मौखिकपुर,

प्राकृतिक एवं सुरक्षित गुलार तैयार करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।



धनबाद के तत्वावधान में मौखिकपुर में तीन दिवसीय प्रलाश हर्बल गुलार निर्माण किया गया है। इस प्रशिक्षण में समूह की १० दीदीयों को

बलियापुर में जलद दूर होगा बिजली संकट - विधायक चन्द्रदेव

बलियापुर (ससे) : धनबाद जिले के बलियापुर प्रखण्ड अंतर्गत बिरसिंहपुर पंचायत के ग्रामीणों के लिए राहत भी लख रहा है। धेत में लंबे समय से चल रहे बिजली संकट को दूर करने के लिए हरद्वारी में निर्माण ३३/११ केवी विद्युत शक्ति उपनैद कर्म कर्य जल्द पूरा होने वाला है। विधायक चन्द्रदेव महतो द्वारा पूछे गए एक तारकित प्रश्न के उत्तर में सरकार ने स्वीकार किया कि इस सबन्धेशन के निर्माण की स्वीकृति पिछले वर्ष दी गई थी। वर्तमान स्थिति: सरकार के अनुसार, सब स्टेसन का अंतिम कार्य लगभग पूरा कर लिया गया

है। अज केवल इलेक्ट्रिकल संरचना का काम शेष है। बचे हुए कार्यों को वित्तीय वर्ष २०२६-२७ वार्षिक विकास योजना में शामिल किया गया है। सरकार ने इस अर्थिक के भीतर कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्तमान में सबस्टेशन है होने के कारण स्थानीय ग्रामीणों को बर्षों से विद्युत संकट का सामना करना पड़ रहा है। इस पर उपनैद के चार्ज होने से बिरसिंहपुर और आसपास के क्षेत्रों में बिजली की आपूर्ति में सुधार होगा और लोन्गोटेज जैसी समस्याओं से निजा मिलेगा।

होली को ले विभिन्न थाना क्षेत्रों में शांति समिति की बैठक आयोजित



बलियापुर (ससे) : होली के महेनजर बलियापुर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई। होली का त्यौहार शांतिपूर्ण एवं हर्षोल्लास के साथ मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान लोगों ने एक दूसरे को अंबर गुलाल लगाकर होली की अंतिम शुभकामनाएं दीं। मौके पर इस्पेक्टर नूतन मोदी, जिला प्रभारी सत्यजीत कुमार, भाजपा के पूर्व जिला प्रभारी अजय धनयमय प्रोक्टर, गैंग ठाकुर, दिनेश सिंह, मिश्र, संजय गोरया, मुखिया राजाराम रजक, शिबू राय, संजय गोरया, मुखिया संजीत गोरया, देवशीष पांडे, शैलेंद्र मंडल आदि मौजूद थे।

जोधापोखर (कांस) : अल्पकाली आषी प्रांगण में



रंगों का त्यौहार होली को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने के लिए शांति समिति के एक अहम बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता ओ पी प्रभारी अरुंशिन रीशन ने किया। बैठक का संचालन बरिंद्र निषाद ने किया। प्रभारी ने कहा कि होली के दिन हड़दंगियों पर विशेष नजर रखी जाएगी। शराब पीकर हड़दंग करने वालों, अश्रद्धा करने, डीजे बजाने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया है। प्रभारी ने शांतिपूर्ण ढंग से होली मनाने की अपील की। मौके पर एएसआई मुकेश कुमार सिंह, और अजय महतो एवं लवचा के लिए सुरक्षित है।

मनाने को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी रविशार कुमारी सिंह ने की। थाना प्रभारी ने लोगों से अपील की कि होली आशीषी भाईकरण का पूर्व है, इसे शांति और हृदय के साथ मधिलेश सिंह, बनन श्रीवास्तव, रामबाबू सिंह, संजय सिंह, टिकू पासवान, शरीफ कुशरी, पिकी



मनाने को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी रविशार कुमारी सिंह ने की। थाना प्रभारी ने लोगों से अपील की कि होली आशीषी भाईकरण का पूर्व है, इसे शांति और हृदय के साथ मधिलेश सिंह, बनन श्रीवास्तव, रामबाबू सिंह, संजय सिंह, टिकू पासवान, शरीफ कुशरी, पिकी

मनाने को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी रविशार कुमारी सिंह ने की। थाना प्रभारी ने लोगों से अपील की कि होली आशीषी भाईकरण का पूर्व है, इसे शांति और हृदय के साथ मधिलेश सिंह, बनन श्रीवास्तव, रामबाबू सिंह, संजय सिंह, टिकू पासवान, शरीफ कुशरी, पिकी



देवी के अलावा काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। उपस्थित सदस्यों ने एक दूसरे को गुलाल एवं धूपकामनाएं दीं।

कतरास (ससे) : रामकनानी आषी परिसर में होली

मालती देवी, किना देवी सहित थाना के एएसआई बरिंद्र यादव, लक्ष्मण, अजय राम एवं अन्य पुलिसकर्मी मौजूद थे। अंत में सभी ने होली शांतिपूर्ण ढंग से मनाने में प्रशासन को सहयोग देने का आभारान दिया।



सुबह की ये गलत आदतें सेहत को पहुंचा सकती हैं भारी नुकसान

कहीं आप भी तो नहीं करते ये गलतियाँ ?

कहते हैं कि सुबह की पहली किरण सिर्फ सूरज की रोशनी नहीं, बल्कि नई ऊर्जा और सभावनाओं का उफार लेकर आती है। हालाँकि, आज की आधुनिक और भागदौड़ भरी जिंदगी में कुछ लोगों ने इस श्रेणीकृत समया को अपनी गलत आदतों की भेंट चढ़ा दिया है।

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार सुबह के समय हमारा शरीर 'रिक्वरी मोड' से बाहर आ रहा होता है, ऐसे में नींद खुलते-अवसर लीम कुछ ऐसी गलतियाँ करते हैं जो शरीर को अंदर से खोखला बना सकती हैं। यह छोटी सी लापरवाही

आपके मेटाबॉलिज्म, मानसिक स्वास्थ्य और पावन तंत्र पर गहरा असर करती है।

अगर आप भी सुबह उठते ही भारीपन या तनाव महसूस करते हैं, तो इसका सीधा संबंध आपके मॉर्निंग रूटीन की उन गलतियों में है जो जाने-अनजाने में आपकी कार्यक्षमता और आयु को कम कर रही हैं। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं कि वो कौन-सी आदतें हैं जिन्हें तुरंत बदलना जरूरी है।

सुबह उठते ही स्मार्टफोन का

इस्तेमाल नींद खुलते ही मोबाइल स्क्रीन की 'ब्लू लाइट' के संपर्क में आना आपकी आँखों और दिमाग के लिए बेहद हानिकारक है। जैसे ही आप सोशल मीडिया या काम के ईमेल देखते हैं, शरीर में 'कोर्टिसोल' (स्ट्रेस हार्मोन) का लेवल अचानक बढ़ जाता है। यह आदत आपको दिन की शुरुआत में ही मानसिक रूप से थका देती है और एकग्रता में कमी का कारण बनती है।

खाली पेट चाय या कॉफी का सेवन भारतीय घरों में 'बेडटी' का रिवाज

आम है, लेकिन यह पावन तंत्र के लिए एक बड़ा खतरा हो सकता है। खाली पेट कैफीन का सेवन शरीर में एड्रेनालीन और ग्लूकोस को बढ़ाता है। इससे न सिर्फ पेट में जलन और कब्ज की समस्या होती है, बल्कि यह शरीर के पोषक तत्वों को अवशोषित करने की क्षमता को भी कम कर देता है।

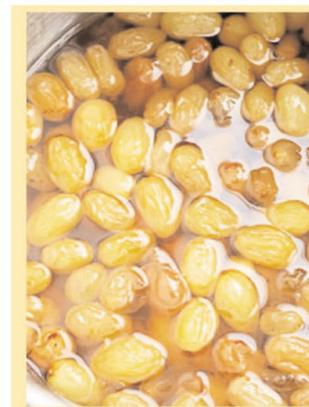
पानी न पीना और डिहाइड्रेशन का जोखिम

रात भर की 7-8 घंटे की नींद के बाद हमारा शरीर पूरी तरह डिहाइड्रेट

नाश्ता रिकप करना है बड़ी लापरवाही

सुबह का नाश्ता दिन का सबसे महत्वपूर्ण भोजन है, जिसे छोड़ने से ब्लड शुगर लेवल बिगड़ सकता है। जो लोग वजन घटाने के चक्कर में नाश्ता नहीं करते, उनका मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है और वे दोपहर में ओवरइटींग करने लगते हैं। एक हेल्दी जीवन के लिए सुबह जल्दी उठें, शुन्यता पानी पीएं और पोषक तत्वों से भरपूर नाश्ता करें ताकि आप दिन भर एनर्जेटिक बना रहें।

(पानी की कमी) हो जाता है। सुबह उठकर पानी न पीना आपके अंगों को सक्रिय होने से रोकता है। पानी की कमी के कारण किडनी और लीवर शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर नहीं निकाल पाते, जिससे त्वचा बेजान नरम आने लगती है और आप सुबह से ही सुस्ती महसूस करते हैं।



सुबह खाली पेट किशमिश का पानी पीने के 7 जबरदस्त फायदे

किशमिश देखने में भले ही छोटी हो, लेकिन इसके फायदे सेहत के लिए बेहद बढ़े हैं। आयुर्वेद और घरेलू नुस्खों में किशमिश को ताकत और पोषण का खजाना माना गया है। खासतौर पर जब किशमिश को रातभर निमोकर उसका पानी सुबह खाली पेट पीया जाए, तो यह शरीर पर गहरा असर डालती है। किशमिश में आयरन, कैल्शियम, पोटेशियम, विटामिन B-कोम्प्लेक्स और एंटीऑक्सिडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं, जो शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं।

लिवर को करता है डिटॉक्स

किशमिश का पानी शरीर में जमा विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है, जिससे लिवर की सफाई होती है और उसकी कार्यक्षमता बेहतर बनती है। नियमित रूप से सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से लिवर पर जमा गंदगी कम होती है, मेटाबॉलिज्म सुधरता है और शरीर अंदर से हल्का और फ्रेश महसूस करता है।

पाचन तंत्र रहता है मजबूत

अगर आपको कब्ज, गैस या अपच जैसी पाचन संबंधी समस्याएं रहती हैं, तो किशमिश का पानी एक रामबाण उपाय साबित हो सकता है। यह आंतों की सफाई में मदद करता है, पाचन क्रिया को दुरुस्त रखता है और सुबह उठते साफ होने में सहायक होता है, जिससे दिनभर हल्कापन और आराम महसूस होता है।

खून की कमी (एनीमिया) में फायदेमंद

खून की कमी यानी एनीमिया की समस्या में किशमिश का पानी बेहद फायदेमंद माना जाता है। किशमिश आयरन का अच्छा स्रोत है और रोजाना इसका पानी पीने से शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ने में मदद मिलती है, जिससे कमजोरी, थकान और चक्कर जैसी समस्याओं से राहत मिलती है।

त्वचा में आता है नेचुरल ग्लो

त्वचा में नेचुरल ग्लो लाने के लिए किशमिश का पानी बहुत कारगर माना जाता है। जब शरीर अंदर से डिटॉक्स होता है, तो उसका सीधा असर चेहरे पर दिखाई देता है। रोजाना किशमिश का पानी पीने से मुँहासे कम होते हैं, दम-धबे हल्के पड़ते हैं और त्वचा साफ, स्वस्थ व चमकदार बनती है।

दिनभर बनी रहती है एनर्जी

दिनभर एनर्जी बनाए रखने में किशमिश का पानी काफी मददगार होता है। किशमिश में मौजूद नेचुरल ग्लूकोज और प्रोबोटिक शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान करते हैं, जिससे थकान, कमजोरी और सुस्ती दूर होती है। सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से दिनभर एक्टिव और तरोताजा महसूस होता है।

ब्लड प्रेशर रहता है कंट्रोल

किशमिश का पानी ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रखने में भी सहायक होता है। इसमें पोटेशियम की मात्रा अधिक और सोडियम कम होता है, जिससे शरीर में नमक का संतुलन बना रहता है। नियमित रूप से किशमिश का पानी पीने से हाई ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है और दिल की सेहत बेहतर बनी रहती है।

किशमिश का पानी कैसे बनाए ?

रात को 15-20 किशमिश एक गिलास पानी में निमोके दें सुबह उठकर पानी को छान लें इस पानी को खाली पेट पीएं बची हुई भीगी किशमिश को चबा-चबाकर खा लें। इन बातों का रखें खास ध्यान दें कि सिर्फ 1 गिलास ही पीएं ड्रायड्रिटीज के मरीज सेवन से पहले डॉक्टर की सलाह लें

ज्यादा मात्रा में लेने से वजन बढ़ सकता है

हमेशा बिना सल्फर वाली किशमिश का इस्तेमाल करें।

अगर आप बिना दवा के सेहत सुधारना चाहते हैं, तो सुबह खाली पेट किशमिश का पानी एक आसान और असरदार घरेलू उपाय है। यह लिवर, पाचन, त्वचा और ऊर्जा हर स्तर पर शरीर को फायदा पहुंचाता है।

चेहरे पर होते हैं मुँहासे, जानें इनसे बचने के तरीके



हर कोई अपनी रिस्कन को साफ, चमकदार और बेदाग देखा चाहता है, लेकिन चेहरे पर अचानक आने वाले पिंपल्स या मुँहासे इस खूबसूरती को विगाड़ देते हैं। अक्सर किसी खास मौके से पहले ही चेहरे पर एक बड़ा सा पिंपल निकल आता है, जिससे आत्मविश्वास भी कम हो जाता है।

किशोरावस्था से लेकर बड़ों तक, मुँहासों की समस्या आम है और ये किसी भी स्किन टाइप में हो सकती है। कई लोग मुँहासे प्रोब्लेम्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन सही कारण जाने बिना समस्या बार-बार लौट आती है।

दरअसल, मुँहासे सिर्फ बाहरी गंदगी की वजह से नहीं, बल्कि शरीर के अंदर होने वाले बदलावों के कारण भी होते हैं। इसलिए जरूरी है कि पहले इसकी असली वजह समझी जाए और फिर सही उपाय अपनाया जाए। यहां इस लेख में हम आपको इससे जुड़ी हर बात बताएंगे। मुँहासे होने की वजह

मुँहासे तब होते हैं जब त्वचा के रोमाइड (पोर्स) तेल, गंदगी और मृत कोशिकाओं से बंद हो जाते हैं। सबसे बड़ी वजह हार्मोनल बदलाव है, खासकर किशोरावस्था, पीरियड्स, प्रेनेसी या तनाव के दौरान।

हार्मोन बढ़ने से त्वचा में सीबम (तेल) ज्यादा बनता है, जो बैक्टीरिया के साथ मिलकर पिंपल्स पैदा करता है। इसके अलावा ऑयली रिस्कन, गलत रिस्कन केयर प्रोडक्ट्स, ज्यादा मेकअप, जंक फूड, डेयरी प्रोडक्ट्स का अधिक सेवन, नींद की कमी और स्ट्रेस भी कारण बनते हैं।

बार-बार चेहरे को छूना, गंदा त्वचा का कपड़ा या मोबाइल स्क्रीन भी बैक्टीरिया बढ़ाते हैं, जिससे मुँहासे बढ़ सकते हैं।

इससे बचने के तरीके दिन में दो बार माइल्ड, सल्फेट-फ्री फेसवॉश से चेहरा साफ करें। ऑयल-फ्री और नॉन-कॉमोजेनिक प्रोडक्ट्स चुनें। हफ्ते में 1-2 बार हल्का एक्सफोलिएशन करें, लेकिन ज्यादा स्क्रीन न करें। जंक फूड, ज्यादा मीठा और तला-

भुना कम करें। रोजाना 7-8 घंटे की नींद लें और तनाव कम करने के लिए योग या मेंडिटेशन करें। मुँहासे हो जाए तो क्या करें ? पिंपल को फोड़ने या निचोड़ने से बचे, इससे दम और डिफेन्सना हो सकता है। सैलिथिलिक एसिड प्रिफर या बेजोयल पेरोक्साइड युक्त क्रीम ट्रीटमेंट डॉक्टर की सलाह से लगाएं। एलोवैरा जेल या टी ट्री ऑयल हल्के पिंपल्स में मदद कर सकते हैं। मेकअप कम करें और त्वचा को साफ रखें। लगातार बढ़ते मुँहासों के लिए क्या करें ? अगर मुँहासे बार-बार हो रहे हैं या दर्दनाक सिस्टिक एक्ने बन रहे हैं, तो त्वचा विशेषज्ञ से परामर्श जरूर लें। डॉक्टर ब्लड टेस्ट, हार्मोन जांच या विशेष दवाइयां दे सकते हैं। लंबे समय तक खुद से दवा लेने से बचे। सही इलाज, संतुलित जीवनशैली और नियमित रिस्कन केयर से मुँहासों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।



आपके जोड़ों के दर्द का कारण कहीं कॉफी तो नहीं ?

सुबह उठते ही एक कप गरम कॉफी कई लोगों की आदत बन चुकी है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जरूरत से ज्यादा कॉफी पीना आपके जोड़ों (जॉइंट्स) के लिए हानिकारक हो सकता है ? डॉक्टरों का कहना है कि सीमित मात्रा में कॉफी ठीक है, लेकिन अधिक कैफीन शरीर में सुनान और कैल्शियम की कमी बढ़ा सकती है, जिससे जोड़ों में दर्द और जकड़न की समस्या हो सकती है। खासकर उन लोगों को सावधान रहना चाहिए जिन्हें पहले से गठिया, यूरिक एसिड या रूढ़ियों की कमजोरी की समस्या है। डॉक्टर ने बताया 5 वेंतावनी संकेत - सुबह उठते ही जोड़ों में जकड़न: अगर रोज सुबह उठने पर घुटनों, उंगलियों या कंधों में अकड़न महसूस हो और कुछ देर चलने के बाद ही आराम मिले, तो यह सुनना का संकेत हो सकता है। जोड़ों में हल्की सुनान या गर्माहट: जोड़ों को घुंटे पर गर्म महसूस होना या हल्की सुनान दिखाई देना शरीर में बढ़ती सुनान की ओर इशारा करता है। बार-बार दर्द या तनून: अगर बिना ज्यादा मेहनत किए भी घुटनों, उंगलियों या कलाई में दर्द बना रहता है, तो कैफीन की अधिकता शरीर

के मिनरल संतुलन को प्रभावित कर सकती है। कैल्शियम की कमी के लक्षण: बहुत ज्यादा कॉफी शरीर से कैल्शियम बाहर निकाल सकती है, जिससे बार-बार दर्द या थकान महसूस होती है। यूरिक एसिड बढ़ना: कुछ लोगों में ज्यादा कॉफी और कैल्शियम की कमी बढ़ाकर यूरिक एसिड का स्तर बढ़ सकता है, जिससे जोड़ों में तेज दर्द (गठिया जैसा) हो सकता है। कितनी कॉफी सुरक्षित है ? डॉक्टर ने बताया 5 वेंतावनी संकेत - सुबह उठते ही जोड़ों में जकड़न: अगर रोज सुबह उठने पर घुटनों, उंगलियों या कंधों में अकड़न महसूस हो और कुछ देर चलने के बाद ही आराम मिले, तो यह सुनना का संकेत हो सकता है। जोड़ों में हल्की सुनान या गर्माहट: जोड़ों को घुंटे पर गर्म महसूस होना या हल्की सुनान दिखाई देना शरीर में बढ़ती सुनान की ओर इशारा करता है। बार-बार दर्द या तनून: अगर बिना ज्यादा मेहनत किए भी घुटनों, उंगलियों या कलाई में दर्द बना रहता है, तो कैफीन की अधिकता शरीर

C
M
Y
K

C
M
Y
K

C
M
Y
K

C
M
Y
K



फ़ेशर हैं तो इंटरव्यू के दौरान ये टिप्स दिला सकती हैं नौकरी

एक फ़ेशर के लिए जॉब पाना काफी कठिन हो सकता है। लेकिन अगर आप इंटरव्यू के दौरान कुछ छोटे-छोटे टिप्स अपनाते हैं तो इससे आपके लिए जॉब पाना काफी आसान हो जाएगा।

एक अच्छी जॉब पाना बहुत मुश्किल होता है। अक्सर एक्सपेरियंस लोगों के लिए भी मनपसंद जॉब के लिए इंटरव्यू करके करना इतना आसान नहीं होता है। ऐसे में वही फ़ेशर इंटरव्यूअर को ड्रेस करके जॉब पाना यकीनन एक जगह को जीतने से कम नहीं है। अक्सर ऐसा होता है कि फ़ेशर कई कंपनियों में जॉब के लिए अत्यादि करते हैं, लेकिन इंटरव्यू के वक़्त पीछे रह जाते हैं और उन्हें अच्छी जॉब मिलने-मिलने रह जाती है जो सकता है कि आपके साथ भी अक्सर ऐसा हो सकता है। ऐसे में आपको बहुत अधिक निराशा होती है। लेकिन अगर आप कुछ छोटे-छोटे टिप्स अपनाते हैं तो इससे फ़ेशर होने के बाद भी इंटरव्यू करके करना और जॉब हासिल करना आपके लिए काफी आसान हो जाता है।

दिखें प्रेजेंटेशन

अगर आप चाहते हैं कि इंटरव्यू में आपका अच्छा इंप्रेशन मिले तो ऐसे में आपको प्रेजेंटेशन दिखना बेहद जरूरी है। इसलिए, जब आपके पास इंटरव्यू के लिए कॉल आती है तो आप इस कोड के अनुसार धूपड़े खरीदें। आप कंपनी की पोलिसी को ध्यान में रखकर काफ़ी धुन सकती हैं। आप काफ़ी को अच्छे तरह आभार करने के अलावा अपने जुनौं को भी पोलिसी करें। अगर आपका इंटरव्यू ऑनलाइन (ऑनलाइन शोपिंग) है तो भी आप इस कोड के अनुसार काफ़ी धनना न आइए।

कंपनी के बारे में करें रिसर्च

अक्सर एक फ़ेशर इंटरव्यू में इसलिए भी मात खा जाते हैं, क्योंकि जब इंटरव्यूअर उनसे कंपनी के बारे में कुछ सवाल करते हैं तो उन्हें इसके बारे में पता नहीं होता है। इसलिए, अगर आपको किसी कंपनी से इंटरव्यू कॉल आई है तो आप पहले कंपनी के बारे में पूरी तरह से रिसर्च करें। आप कंपनी के प्रोडक्ट या सर्विस के अलावा उनके कस्ट वलाइंट, ग्रेजु रिपोर्ट्स व उनके गोल्स के बारे में जानने की कोशिश करें।

बाँड़ी लैंग्वेज को करें मॉटेन

इंटरव्यू के दौरान आपकी बाँड़ी लैंग्वेज भी बहुत अधिक महत्वपूर्ण है। आप इंटरव्यू के दौरान किस तरह बोलेंगे, किस तरह बात करेंगे, इससे सामने वाले व्यक्ति पर गहरा प्रभाव पड़ता है। आपका बाँड़ी लैंग्वेज आपके कॉन्फिडेंस (कॉन्फिडेंस टिप्स) को दिखाता है। जिससे आपको जॉब मिलने के चांसस काफी बढ़ जाते हैं। इसलिए, बिना किसी झिझक के आवाज़ मिलाएँ। साथ ही बोलते समय बहुत धुक्कर न बैठें। बात करते हुए आपके चेहरे पर हल्की मुस्कान आपको अधिक कॉन्फिडेंट बनाती है।

डॉक्यूमेंट को रखें एक्स्ट्रा सेट

जब आप इंटरव्यू के लिए जा रहे हैं तो ऐसे में कोशिश करें कि आप अपने सभी जरूरी डॉक्यूमेंट के 2 या 3 एक्स्ट्रा सेट जरूर रखें। हो सकता है कि इंटरव्यू के दौरान परेशान द्वारा आपसे आपके बायोडेटा की हार्ड कॉपी मांग लें। ऐसे में अगर आपके पास अतिरिक्त कॉपी होती तो आपके लिए काफी फायदा होगा। इंटरव्यू के बाद कई फॉलो अप इंटरव्यू के बाद यह बेहद जरूरी है कि आप बाद में आप फॉलो अप ई-मेल करके भेजें। जिसमें आप थैर्यू के साथ-साथ फॉलोअप लें। इससे आपका एक अच्छा इंप्रेशन पड़ता है। कोशिश करें कि आप इस ईमेल को जॉब इंटरव्यू के 24 घंटों के भीतर भेजें ताकि इंटरव्यूअर को आप याद रख पाएँ। हो सकता है कि इससे आपको जॉब मिलने के चांसस काफी अधिक बढ़ जाएँ।



जॉब इंटरव्यू में स्ट्रेंथ और वीकनेस पूछने पर, क्या देना चाहिए जवाब?

जब हम नई नौकरी के लिए इंटरव्यू देने जाते हैं, तो हमसे कई तरह के सवाल पूछे जाते हैं। वही कुछ सवाल काफी पचीवा होते हैं, जैसे- आपकी स्ट्रेंथ और वीकनेस क्या है? इस सवाल का जवाब सही ढंग से देना है और उन्हें नौकरी से हाथ धोना पड़ जाता है। हर किसी को नौकरी पाने के लिए इंटरव्यू देना पड़ता है। इंटरव्यू में अगर आप अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो आपको जॉब प्यकी हो जाती है। वही, कई बार छोटी-छोटी गलतियाँ की वजह से आप नई नौकरी से हाथ धो बैठते हैं। इंटरव्यू के दौरान कई तरह के सवाल पूछे जाते हैं, जिसमें से एक सवाल अक्सर कैडिडेट को परेशान करता है। जब रिक्रूटर आपसे पूछता है कि **What's Your Strength And Weaknesses** यानी आपकी ताकत और कमजोरी क्या है? कई बार लोग इस सवाल का जवाब अच्छे से नहीं दे पाते हैं और कुछ को तो समझ ही नहीं आता है कि इसका जवाब क्या देना है?

दरअसल, रिक्रूटर यह सवाल इसलिए करते हैं, क्योंकि वह देखना चाहते हैं कि आप कितने सेल्फ-अवेयर हैं। आप अपनी स्ट्रेंथ और अपनी कमजोरियों को कितना अच्छे से जानते हैं। दूसरी बात, वे यह भी चेक करते हैं कि आपकी स्ट्रेंथ नई नौकरी के साथ कितना ज्यादा मैच करती है। वही, कमजोरियाँ पर बात इसलिए करते हैं, क्योंकि वे देखते हैं कि आप पर्सनल ग्रेजु और प्रॉफेशनल सोल्यूशन के लिए किस तरह से काम करते हैं।

इंटरव्यू में फ़ेशर अपनी स्ट्रेंथ के बारे में क्या बताएँ?

अगर आप एक फ़ेशर हैं और आपके पास किसी तरह का एक्सपेरियंस नहीं है, तो चिंता न करें। आप इंटरव्यू में स्ट्रेंथ यानी अपनी खूबियों के बारे में पूछने पर इन टिप्स को कॉली करें। **सीखने की उत्सुकता**- इंटरव्यू में आपकी ताकत पूछे जाने पर आपको जवाब देना है कि आप सीखने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और नई नौकरी को हमेशा स्वीकार करने के लिए खुले रहते हैं।

प्लेनिसिबिलिटी और एडैप्टिविटी- आपको बोलना होगा कि आप नई जगह पर आराम से तालमेल बिठा सकते हैं। एप सोल्यूटिव और प्रॉब्लेम सोल्विंग के लिए तैयार रहते हैं। **स्ट्रॉंग वर्क एथिक्स**- आप हमेशा खुद को सबित करने के लिए उत्साहित बने रहते हैं। आपको कहना होगा कि आप अपने टास्क को डेडलाइन से पहले और क्वालिटी वर्क देने में काफ़ी अच्छे हैं। **कम्युनिकेशन और टीमवर्क**- इंटरव्यू में जब फ़ेशर से पूछा जाता है कि आपकी स्ट्रेंथ क्या है, तो आपको जवाब देना होगा कि मैंने कॉलेज और कई कॉलेज प्रोजेक्ट्स में लीड किया है। मैं कम्युनिकेशन में और टीम के साथ मिलकर काम करने में अच्छा हूँ। **टैक्निकल स्किल्स**- फ़ेशर को अपनी टैक्निकल स्किल्स स्ट्रेंथ के रूप में उद्धर करके बताना चाहिए। अगर आपको कोई सॉफ्टवेयर, प्रोग्रामिंग लैंग्वेज या डिजाइन टूल आता है, तो उसके बारे में बताएँ।

अनुभवी प्रोफेशनल्स को कैसे देना चाहिए Tell Me About Your Strengths का जवाब?

अगर आप अनुभवी प्रोफेशनल्स हैं, तो आपको Tell Me About Your Strengths के सवाल के पीछे के उद्देश्य को समझना होगा। अपनी स्ट्रेंथ के लिए STAR (सिचुएशन, टास्क, एक्शन और रिजल्ट) मैट्रिक्स के साथ जवाब देना होगा। अपनी स्ट्रेंथ में टैक्निकल स्किल्स, पर्सनलिटिव स्किल्स और सॉल्यूटिव टूल्स में प्रोफिशियली को शामिल करना होगा। आपको कहना होगा कि मैं बहुत ऑर्गनाइज्ड हूँ। मैंने अपनी पिछली कंपनी में एक नए मैनेजमेंट टूल को बनाया था, जिसकी वजह से हमारा काम 20 फीसदी तक आसान हो गया था। आपको बिना ईंगो के कहना होगा कि मैं किसी भी टीम में सबसे अच्छा कम्युनिकेटर हूँ। मेरी ताकत मल्टीटास्किंग है और मैं आउट

ऑफ द बॉक्स सोचने की क्षमता रखता हूँ।

इंटरव्यू में Tell Me About Your Weaknesses बताने का तरीका

जब आपसे रिक्रूटर पूछता है कि आपकी वीकनेस क्या है? तब आपको ध्यान रखना होगा कि जिस नौकरी के लिए आपने आवेदन किया है, उसके लिए वह हानिकारक न हो। मैंने देखा कि मैं किसी प्रोजेक्ट को बेहतर बनाने के लिए उसकी डिटेलिंग पर चल जाता हूँ, जिसकी वजह से उन कामों को खत्म करने में ज्यादा समय लग जाता है। हालाँकि, मैंने अपनी इस कमजोरी पर काम करना शुरू कर दिया है। मैं समय-सोमा निर्धारित करके ही काम को शुरू और खत्म करता हूँ। मैं परफेक्शन के साथ काम करना पसंद करता हूँ। हालाँकि, कई बार प्रोजेक्ट को समय पर डिलीवर करने में देरी भी हो जाती है। मैंने इस पर काम में अपना बेस्ट देने की कोशिश करता हूँ। मैं दूसरों को काम सौंपने की जगह खुद काम करके पर भरोसा करता हूँ, क्योंकि मेरा मानना है कि काम सही ढंग से किया जाना जरूरी है। हालाँकि, मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए और अपनी टीम पर भरोसा रखना चाहिए। हमेशा अपनी कमजोरियाँ बताते समय ज्यादा निगेटिव होने से बचें। अपनी प्लसिबिलिटी में सुधार करने के लिए विनम्रता और कॉन्फिडेंस के साथ बेलेस बनकर बोलें। आपका यह नौबिस् इमानदारी, ग्रेजु मेटिलिटी और प्रोफेशनलिज्म को दिखाता है।

विदेश जाकर करना चाहते हैं मीडिया की पढ़ाई, तो ये रहे टॉप 5 यूनिवर्सिटी

मीडिया की पढ़ाई के लिए अगर आप विदेश के किसी यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेना चाहती हैं, तो इस आर्टिकल से आइडिया ले सकती हैं। यहां पर मास कम्युनिकेशन और जर्नलिज्म की पढ़ाई के लिए कुछ यूनिवर्सिटी के बारे में बता दिया है।

मीडिया को लोकल का चौथा स्तंभ माना जाता है और इसमें एंटी लेने के लिए कैडिडेट को मास कम्युनिकेशन का कोर्स करना अनिवार्य होता है। अगर आप विदेश जाकर मीडिया की पढ़ाई करना चाहती हैं और अपने करियर को एक नया आयाम देना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। यहां हम आपको मास कम्युनिकेशन व जर्नलिज्म की पढ़ाई के लिए बेहतरीन कॉलेज कॉलेज के बारे में बताते हैं। प्रचुरता की पढ़ाई करके छात्रों को मीडिया के विभिन्न रूपों जैसे प्रिंट, टेलीविजन, रेडियो, डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया आदि के बारे में सीखने का मौका मिलेगा। खास बात यह है कि इस कोर्स को करने से आपके अंदर समाचार, फिल्म निर्माण, लेखन, जनसंपर्क और अन्य क्षेत्रों में एक जाने का मौका मिल सकता है। यदि आप इस बात को लेकर कण्ठु हैं कि पाठ्यक्रम की पढ़ाई के लिए आपको कोन सा कॉलेज और देश चुनना चाहिए, तो यहां इसकी पढ़ाई के लिए विदेश के टॉप 5 कॉलेजों के बारे में जानकारी दी गई है।

एम्स्टर्डम विश्वविद्यालय

एम्स्टर्डम विश्वविद्यालय में प्रचुरता और मीडिया अध्ययन का अध्ययन करें, जिस कार्यक्रम व्यावहारिक अनुभव के साथ सैद्धांतिक नौक को जोड़ते हैं। अपना अंतर्राष्ट्रीय करियर शुरू करने के लिए सातक, सातक और विभिन्न कार्यक्रमों में से चुनें।

पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय

पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय का एनेनबर्ग स्कूल फॉर कम्युनिकेशन प्रचुरता और संचार में कार्यक्रमों का एक सेट प्रदान करता है। छात्र व्यावहारिक कौशल के साथ कौशल नौक को मिलाकर एक व्यापक शिक्षा प्राप्त करते हैं। कार्यक्रम मीडिया, संचार और सामाजिक गतिशीलता के बीच जटिल संबंधों को जान सकते हैं।

न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय

न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय का आर्थर एल. कार्टर प्रचुरता संस्थान प्रचुरता, मीडिया अध्ययन और संचार में असाधारण कार्यक्रम प्रदान करता है। परस्पर लिंकित संचार के नुतल में, हमारे कार्यक्रम छात्रों को रिपोर्टिंग, लेखन, मल्टीमीडिया उत्पादन और उससे आगे के कौशल से तैयार करते हैं।

सिंगापुर का राष्ट्रीय विश्वविद्यालय

इंटरनेट मीडिया डिजाइन, मीडिया अध्ययन और संचार और सांस्कृतिक अध्ययन में विदेश में अध्ययन और संचार के लिए नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर विश्व प्रशिष्या में आगामी है। संचार और नया मीडिया विभाग महालाक्षी प्रचारकों को बहुमुखी पेशेवरी के रूप में विकसित करता है, जो विविध मीडिया और संचार वातावरण में फलने-फूलने के लिए अग्रणी विकल्प हैं।

दक्षिणी कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय

विदेश में प्रचुरता और संचार में शीर्ष स्तर की शिक्षा के लिए लॉस एंजिल्स में दक्षिणी कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय एनेनबर्ग स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड जर्नलिज्म पर विचार करें। राजनियंत्रित वाटर् एनेनबर्ग के ग्रेजु पर जाया यह एक प्रतिष्ठित संस्थान, प्रतिष्ठित पेशेवरी स्कूल के माध्यम से सातक और परास्नातक प्रचुरता कार्यक्रम प्रदान करता है।



फ़ीलांसर से लेकर डिजाइनर तक ये हैं कॉलेज में पढ़ने वालों के लिए 5 बेहतरीन जॉब्स

कॉलेज के छात्र होने के कारण अक्सर आपका बजट कम रहता है। अक्सर लोगों को पढ़ाई के सिलसिले में दूसरे शहर में रहना पड़ता है। ऐसे में कॉलेज फीस के साथ कई अन्य खर्च भी जुड़ जाते हैं। सिर्फ बिल और किराने का सामान ही खर्च नहीं होता है जो आपको उठाना पड़ता है, बल्कि कई सारे अलग खर्च भी होते हैं। ऐसे मामलों में, आपको एक साइड इनकम की जरूरत होती है, जो आपको कुछ अतिरिक्त पैसे कमाने में मदद करे। अगर आपके पास कॉलेज के बाद कुछ खाली समय है और आपके पास कुछ रिक्त भी है, तो कुछ साइड जॉब्स करके आप अपने आय का एक बढ़िया जरिया ढूंढ सकते हैं।

फ़ीलांसर के रूप में जॉब

अंग्रेजी, प्रचुरता, संचार या संबंधित क्षेत्रों में पढ़ाई करने वाले कॉलेज के छात्रों के लिए, फ़ीलांस लेखन एक उत्पुष्ट और आकर्षक साइड इनकम हो सकती है। यदि आपके पास नक़्तु लेखन कौशल है, तो आप अपवर्क जैसे प्लेटफ़ॉर्म पर खोज कर सकते हैं, जहां वलाइंट वॉल पोस्ट, लेख और वेबसाइट कॉपी साहित्य आकर्षक सामग्री तैयार करने के लिए कुशल लेखकों को तलाश करते हैं। भले ही आप तकनीकी क्षेत्र में पढ़ाई कर रहे हों, आप तकनीकी लेखन या संपादन परियोजनाओं को सुरक्षित करने के लिए अपने विशेष ज्ञान का लाभ उठा सकते हैं।

ग्राफिक डिजाइनर

अगर आपको डिजाइन का शौक है, तो इसे फ़ीलांस ग्राफिक डिजाइनर के रूप में आकर्षक साइड इनकम में बदलने पर विचार करें। इस रचनात्मक प्रयास में वलाइंट के लिए विज्ञापन कंटेंट तैयार करना शामिल है, जिसमें लोगो और बैनर से लेकर सोशल मीडिया ग्राफिक्स और उससे भी आगे की चीज़ें शामिल हैं। आप टी-शर्ट और हेट जैसे मर्चेंडाइज के लिए डिजाइनिंग भी कर सकते हैं या अपनी खुद की कलाकृति भी बेच सकते हैं। ग्राफिक डिजाइन, विज़ुअल आर्ट्स या इससे संबंधित क्षेत्रों में पढ़ाई करने वाले छात्र इस साइड इनकम को सफलतापूर्वक अपने बजट के लिए अपने कौशल और ज्ञान का लाभ उठा सकते हैं।

ऑनलाइन ट्यूटर

यदि आप किसी विशेष विषय में उत्कृष्ट हैं, तो ऑनलाइन ट्यूशन के माध्यम से अपनी विशेषज्ञता साझा करने पर विचार करें। यह आर्थिक अक्सर आपको अपने शेड्यूल के अनुसार काम करते हुए एक अच्छी आय अर्जित करने की अनुमति देता है। हालाँकि कोई विशिष्ट प्रमुख आवश्यकताएँ नहीं हैं, लेकिन विषय वस्तु पर अच्छी पकड़ होना आवश्यक है। गणित, अंग्रेजी, विज्ञान, इतिहास या शिक्षा जैसे विषयों में प्रयुक्त रहने वाले छात्र ट्यूशन सेवाएँ प्रदान करने के लिए अपने ज्ञान का लाभ उठा सकते हैं। आप मासिक आय को आवश्यकता वाले हार्ड स्कूल के छात्रों से जुड़ सकते हैं और दुनिया भर के छात्रों को पढ़ा सकते हैं। ऑनलाइन ट्यूशन एक लचीली और संतोषजनक साइड जॉब है जो आपको अपना ज्ञान प्रदान करने और दूसरों को सफल होने में मदद करने में सक्षम बनाता है।

